Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

भूगोल

मानव भूगोल के मूल सिद्धान्त

अध्याय–5

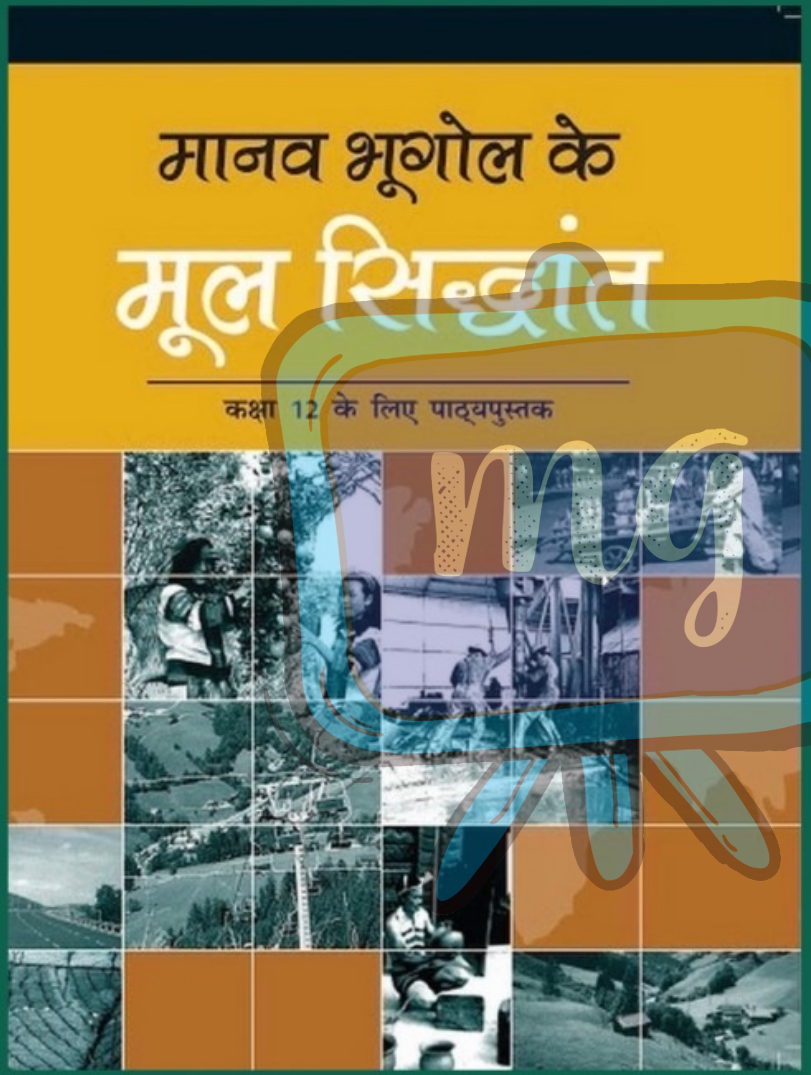
द्वितीयक क्रियाएँ

भाग - 2

पंकज वैष्णव

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



विषय सूची

आमुख v
पाठ्यपुस्तकों में पाठ्य सामग्री का पुनर्संयोजन vii

इकाई-1
अध्याय 1
मानव भूगोल
प्रकृति एवं विषय क्षेत्र 1–6

इकाई-2
अध्याय 2
विश्व जनसंख्या
वितरण, घनत्व और वृद्धि 7–12
अध्याय 3
मानव विकास 13–20

इकाई-3
अध्याय 4
प्राथमिक क्रियाएँ 21–34
अध्याय 5
द्वितीयक क्रियाएँ 35–43
अध्याय 6
तृतीयक और चतुर्थ क्रियाकलाप 44–52
अध्याय 7
परिवहन एवं संचार 53–69
अध्याय 8
अंतर्राष्ट्रीय व्यापार 70–77

परिशिष्ट 78–80
शब्दावली 81–84

© NCERT not to be republished

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q:- आर्थिक क्रियाओं को कितने प्रकारों में बांटा जा सकता है?

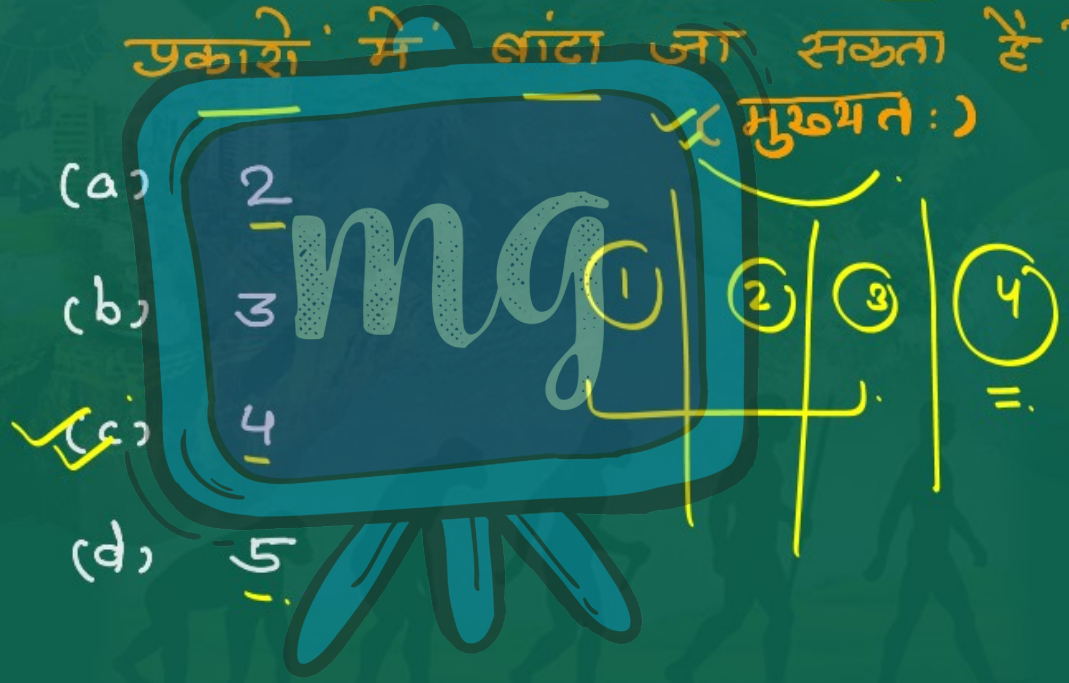
(मुख्यतः)

(a) 2

(b) 3

(c) 4 ✓

(d) 5



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q :- द्वितीयक क्रियाओं में मुख्य रूप से कौन-कौन से कार्य आते हैं?

(a) विनिर्माण

(b) प्रसंस्करण

(c) निर्माण

(d) उपरोक्त सभी

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q :- निम्न में से कौन-सी क्रिया द्वितीयक क्रियाओं में आती है?

(a) कृषि → ①

(b) पशुपालन → ①

(c) खनन → ①

(d) सुई का निर्माण

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q :- उद्योगों की स्थिति को प्रभावित करने वाले मुख्य कारक है :-

(a) कच्चे माल तक पहुंच
(b) बाजार तक पहुंच
(c) श्रम आपूर्ति
(d) उपयुक्त सभी

उद्योग।
1. कच्चे माल
2. श्रमिक
3. ऊर्जा
4. बाजार
5. परिवहन/संचार
6. सरकारी नीति

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q :- द्वितीयक - क्रियाओं की विशेषताएं निम्न में से क्या - क्या है ?

(a) अधिक पूंजी

(b) यंत्रीकरण

(c) प्रौद्योगिकी नवाचार

(d) उपर्युक्त सभी

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q:- निम्न में से कौनसा कार्य द्वितीयक - क्रियाओं में नहीं आता ?

(a) भवन - निर्माण → 2

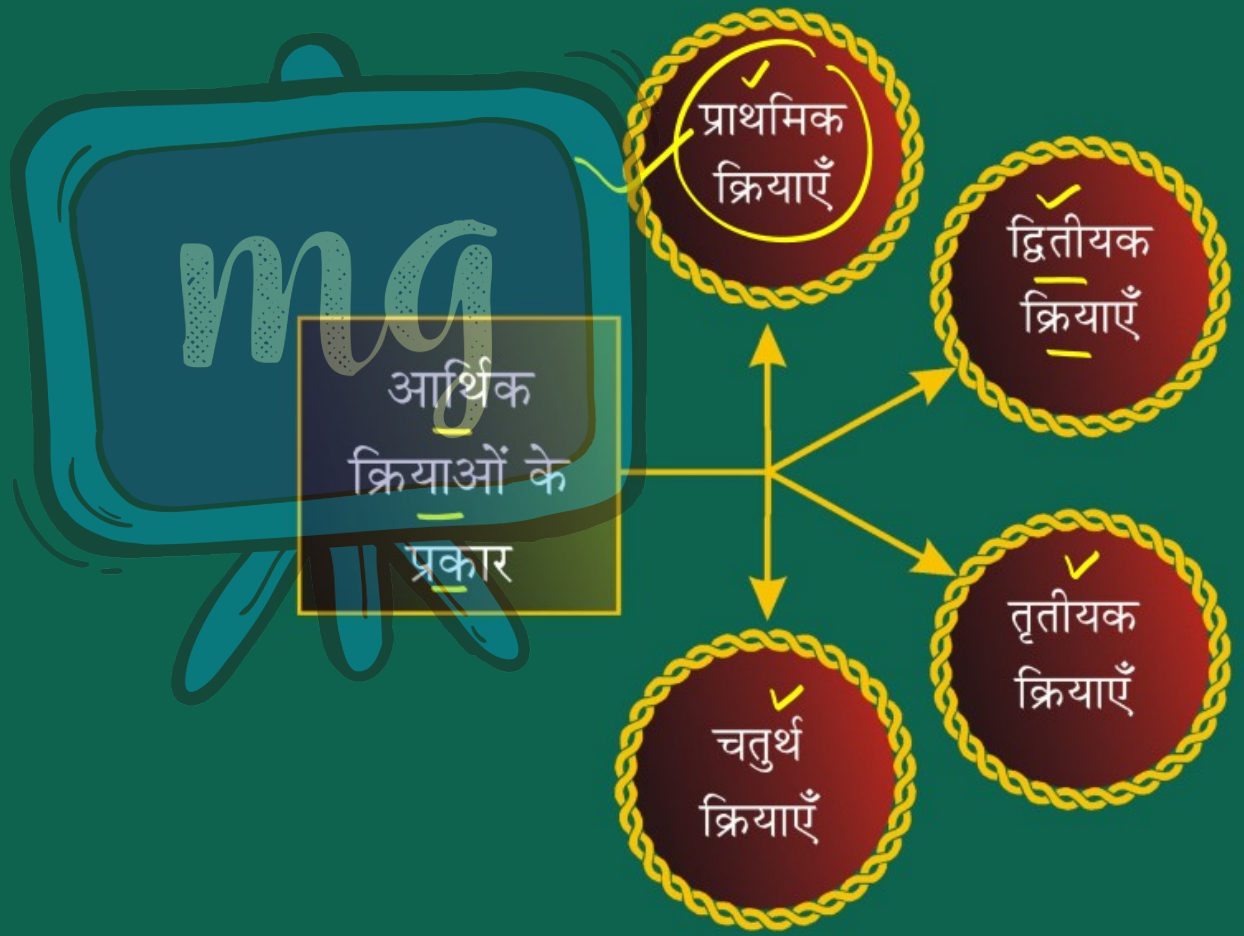
(b) कार का निर्माण → 2

(c) बांस की टोकरी बनाना → 2

(d) खनन → 1

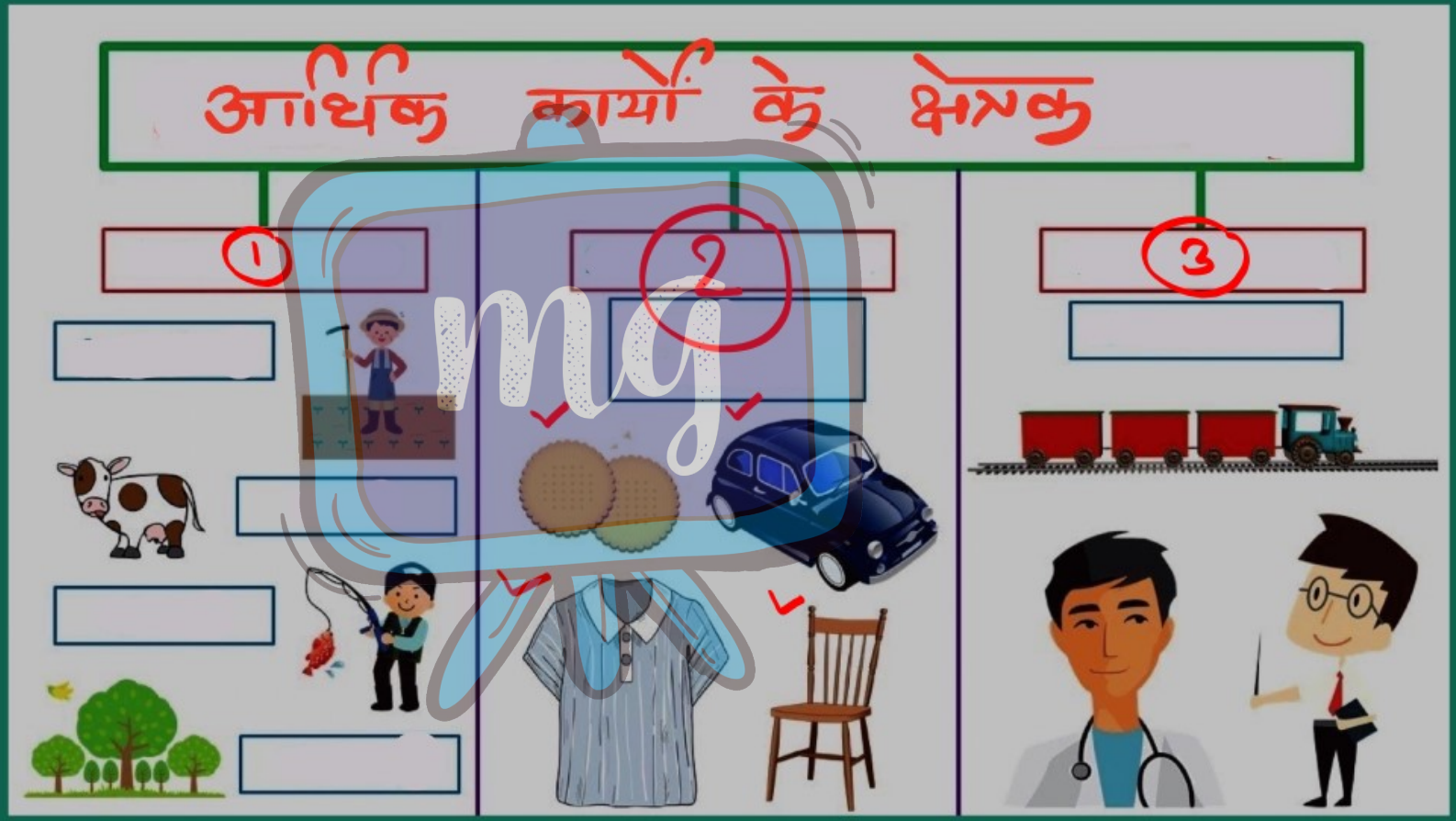
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

विनिर्माण उद्योगों का वर्गीकरण

विनिर्माण उद्योगों का वर्गीकरण उनके आकार, कच्चा माल, उत्पाद एवं स्वामित्व के आधार पर किया जाता है-

आकार के आधार पर उद्योगों का वर्गीकरण

- कुटीर / घरेलू उद्योग
- छोटे पैमाने के उद्योग
- बड़े पैमाने के उद्योग

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



क. **कृषि आधारित**

- खेतों से प्राप्त कच्चे माल को विभिन्न प्रक्रियाओं द्वारा तैयार माल में बदलकर विक्रय हेतु ग्रामीण एवं नगरीय बाज़ारों में भेजा जाता है।
- प्रमुख कृषि आधारित उद्योग में भोजन तैयार करने वाले उद्योग, शक्कर, अचार, फलों के रस, पेय पदार्थ (चाय कॉफी, कोकोआ), मसाले, तेल एवं वस्त्र (सूती, रेशमी, जूट) तथा रबड़ उद्योग आते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



भोजन प्रसंस्करण

कृषि से तैयार खाद्य में मलाई (क्रीम) का उत्पादन, डिब्बा खाद्य, फलों से खाद्य तैयार करना एवं मिठाइयाँ सम्मिलित की जाती हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

ख. खनिज आधारित उद्योग

- इन उद्योगों में खनिजों को कच्चे माल के रूप में उपयोग किया जाता है।
- कुछ उद्योग लौह अंश वाले धात्विक खनिजों का उपयोग करते हैं जैसे



कि लौह इस्पात उद्योग जबकि कुछ उद्योग अलौह धात्विक खनिजों का उपयोग करते हैं जैसे एल्युमिनियम, ताँबा एवं जवाहरात उद्योग। सीमेंट, मिट्टी के बर्तन आदि उद्योगों में अधात्विक खनिजों का प्रयोग होता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

ग. रसायन आधारित उद्योग

- इस प्रकार के उद्योगों में प्राकृतिक रूप में पाए जाने वाले रासायनिक खनिजों का उपयोग होता है जैसे पेट्रो रसायन उद्योग में खनिज तेल (पैट्रोलियम) का उपयोग होता है।



- नमक, गंधक एवं पोटाश उद्योगों में भी प्राकृतिक खनिजों को काम में लेते हैं।रसायन उद्योग के अन्य उदाहरण कृत्रिम रेशे बनाना, प्लास्टिक निर्माण इत्यादि है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

घ. वनों पर आधारित उद्योग

वनों से प्राप्त कई मुख्य एवं गौण उपज कच्चे माल के रूप में उद्योगों में प्रयुक्त होती है। फर्नीचर



उद्योग के लिए इमारती लकड़ी, कागज़ उद्योग के लिए लकड़ी, बाँस एवं घास तथा लाख उद्योग के लिए लाख वनों से ही प्राप्त होती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

पशु आधारित उद्योग



- चमड़ा एवं ऊन पशुओं से प्राप्त प्रमुख कच्चा माल है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



चमड़ा उद्योग के लिए चमड़ा एवं ऊनी वस्त्र उद्योग के लिए ऊन पशुओं से ही प्राप्त की जाती है। हाथीदाँत उद्योग के लिए दाँत भी हाथी से मिलता है।

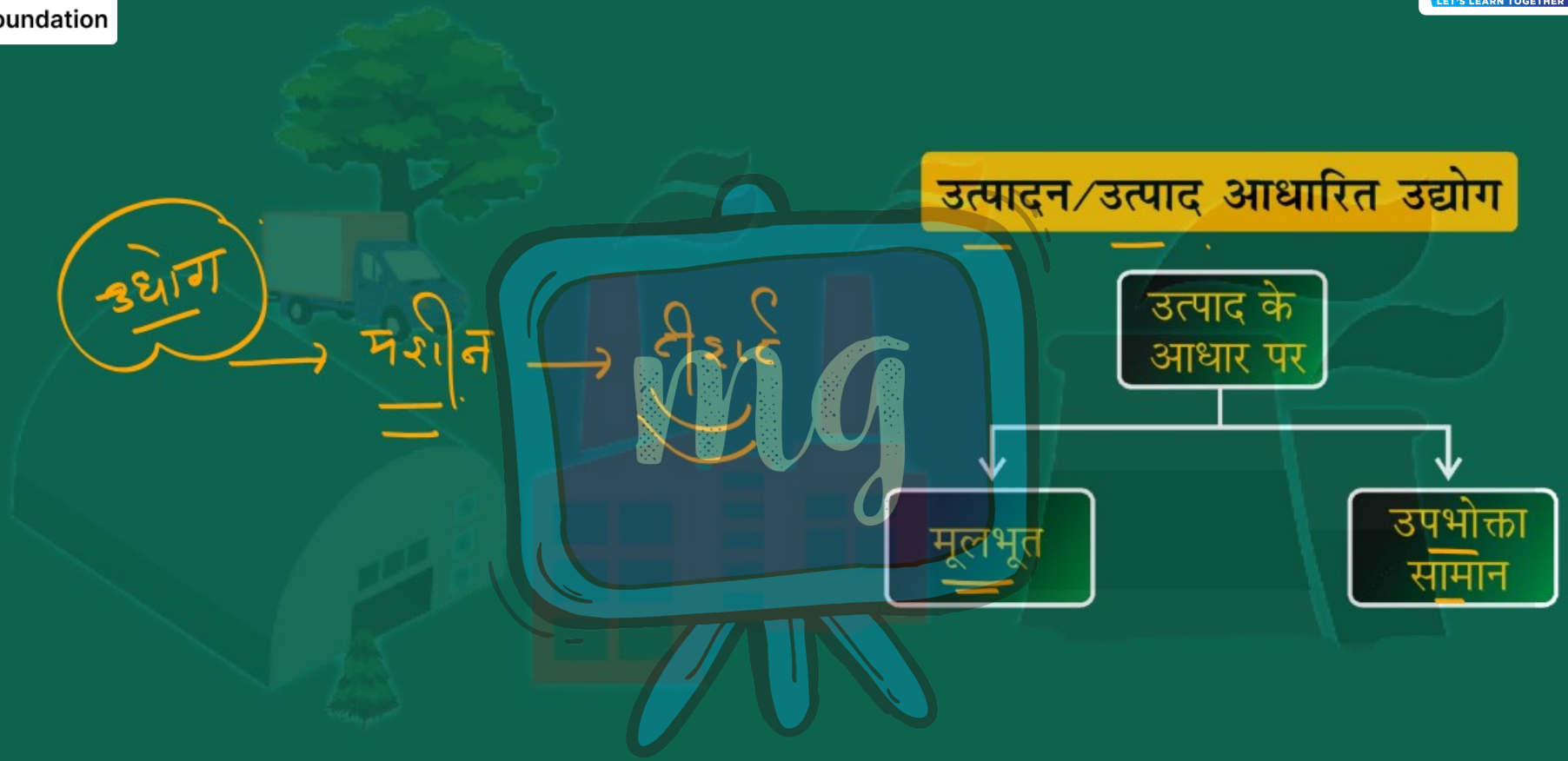
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



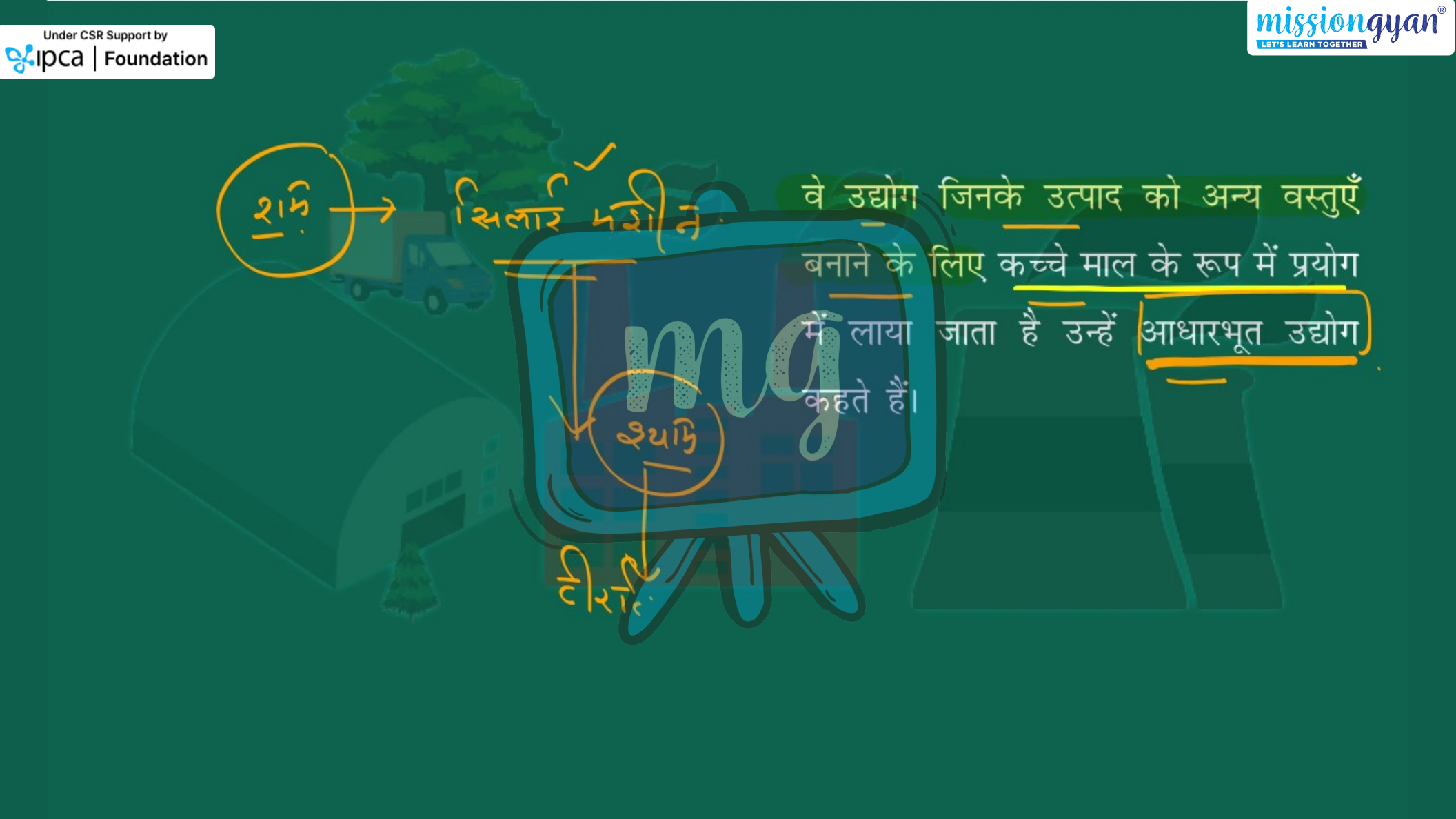
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

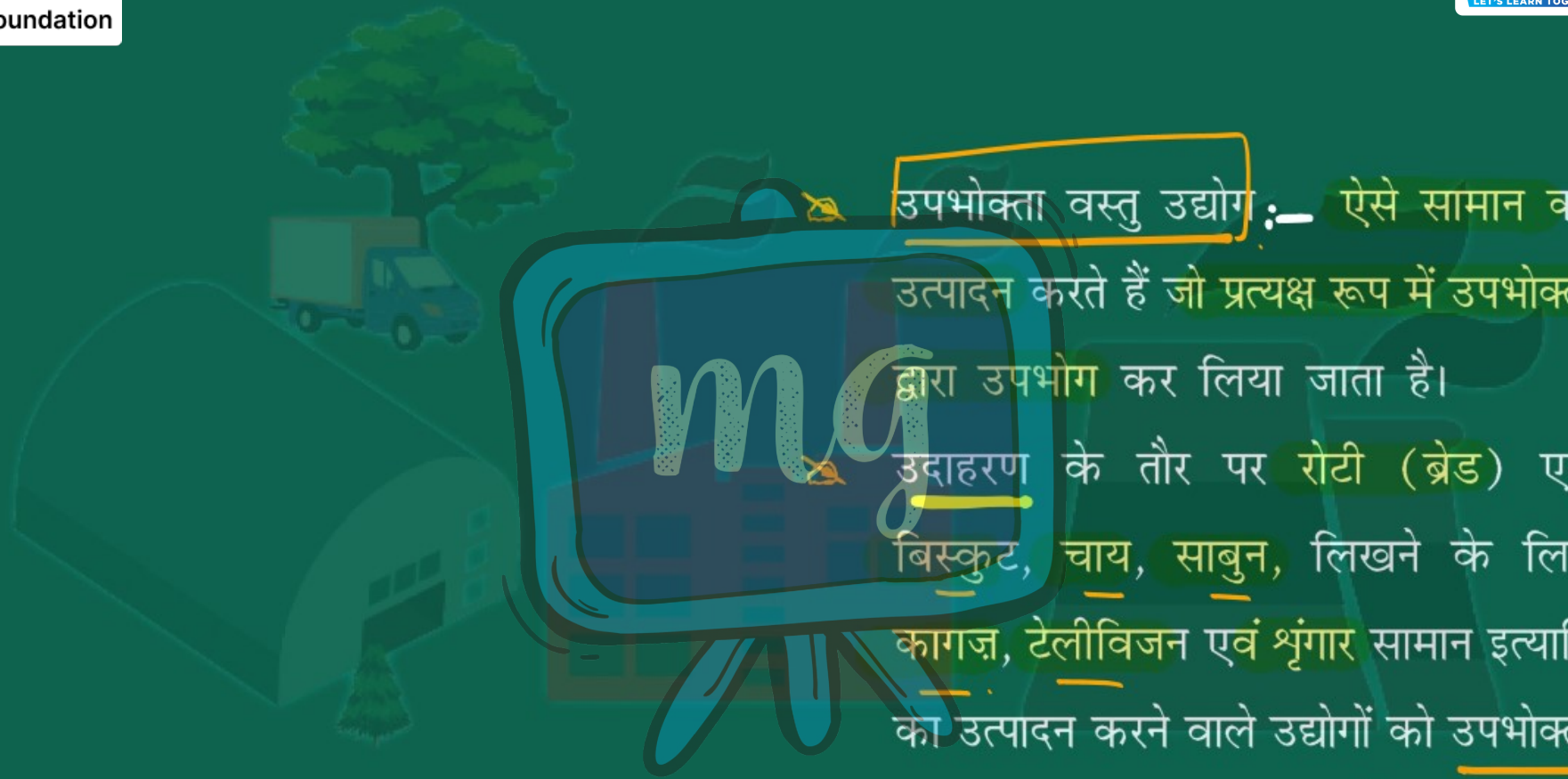
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



वे उद्योग जिनके उत्पाद को अन्य वस्तुएँ बनाने के लिए कच्चे माल के रूप में प्रयोग में लाया जाता है उन्हें आधारभूत उद्योग कहते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

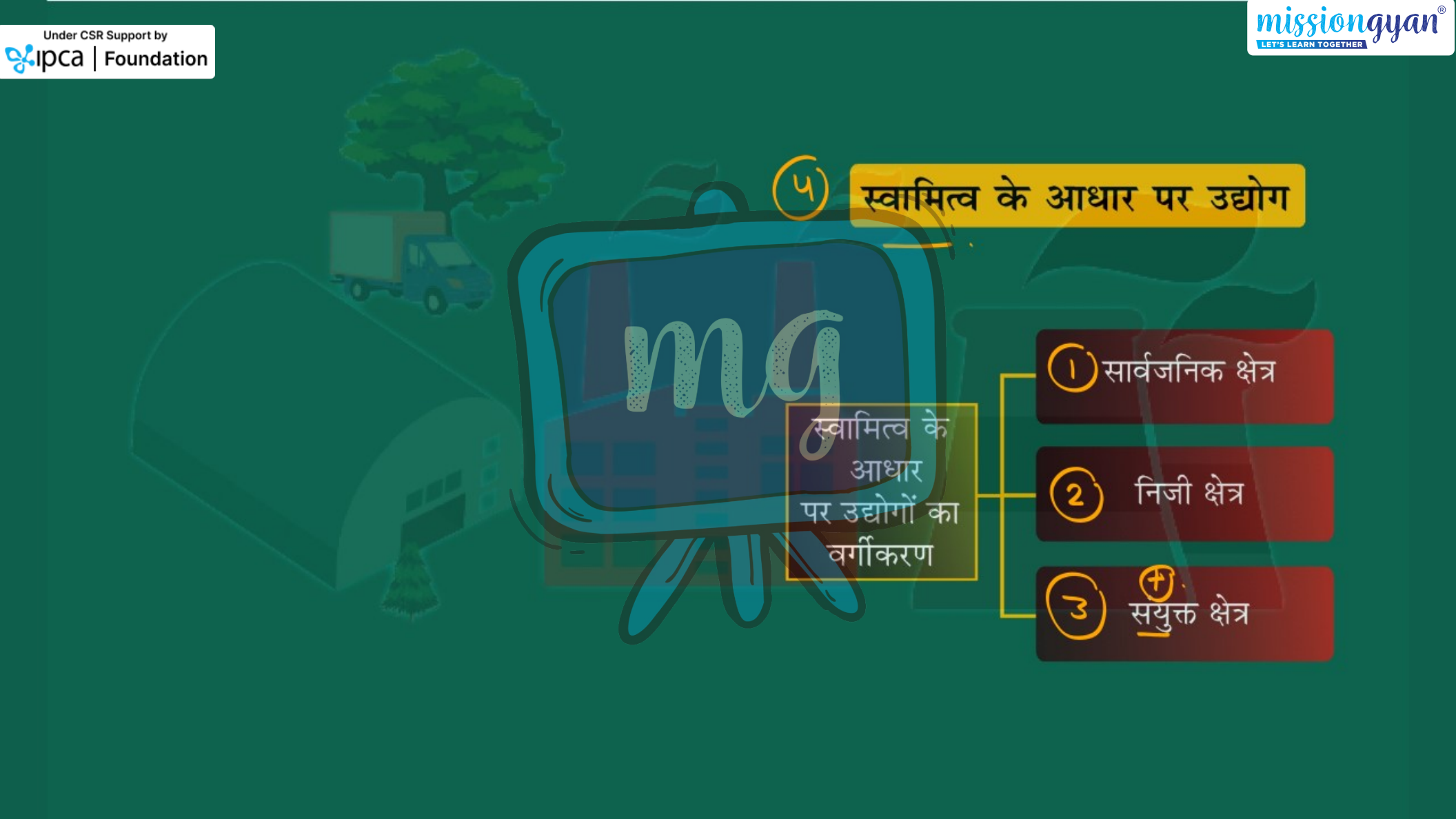


उपभोक्ता वस्तु उद्योग :– ऐसे सामान का उत्पादन करते हैं जो प्रत्यक्ष रूप में उपभोक्ता द्वारा उपभोग कर लिया जाता है।

उदाहरण के तौर पर रोटी (ब्रेड) एवं बिस्कुट, चाय, साबुन, लिखने के लिए कागज़, टेलीविजन एवं श्रृंगार सामान इत्यादि का उत्पादन करने वाले उद्योगों को उपभोक्ता माल बनाने वाले अथवा गैर आधारभूत उद्योग कहा जाता है।

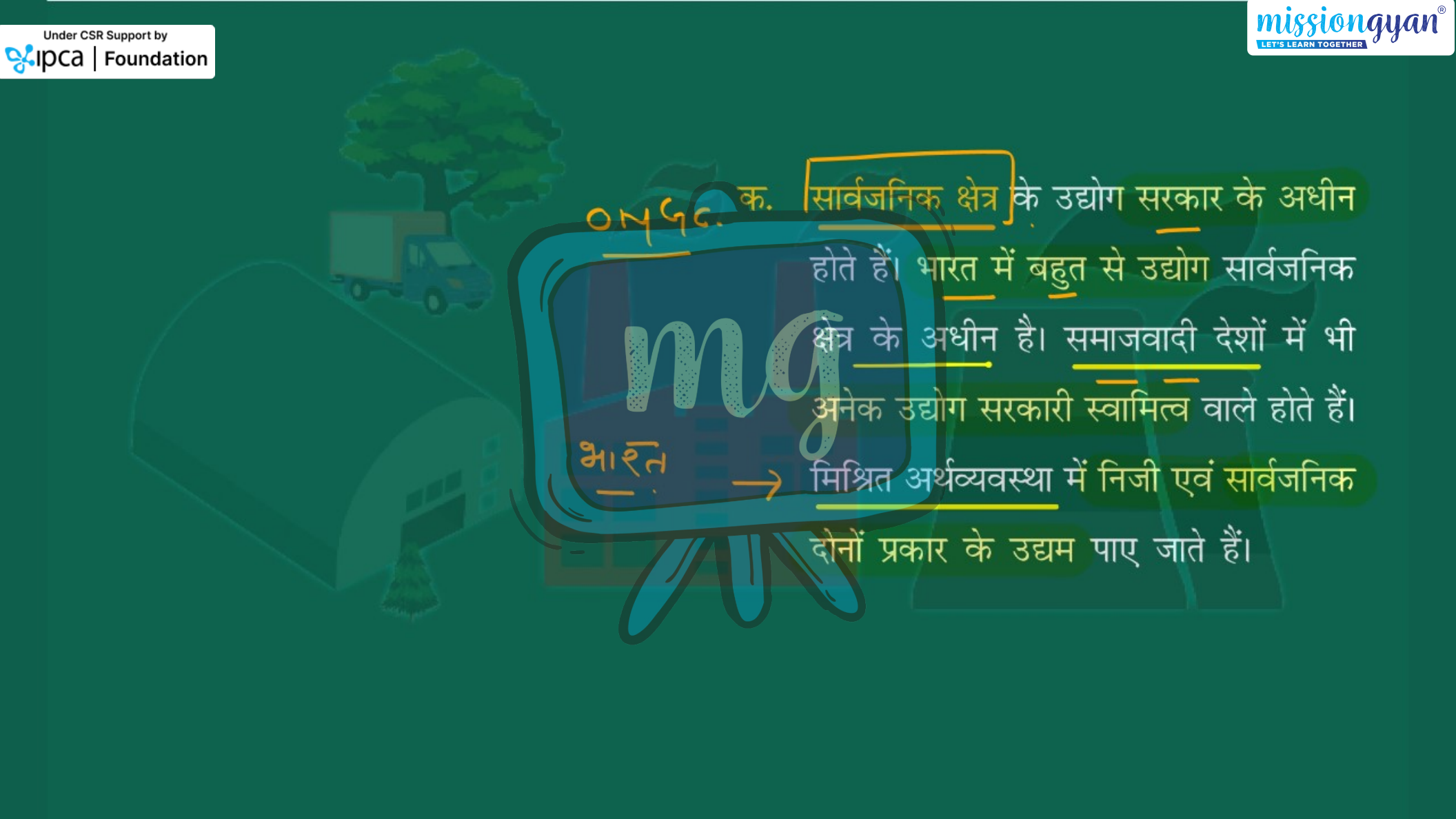
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

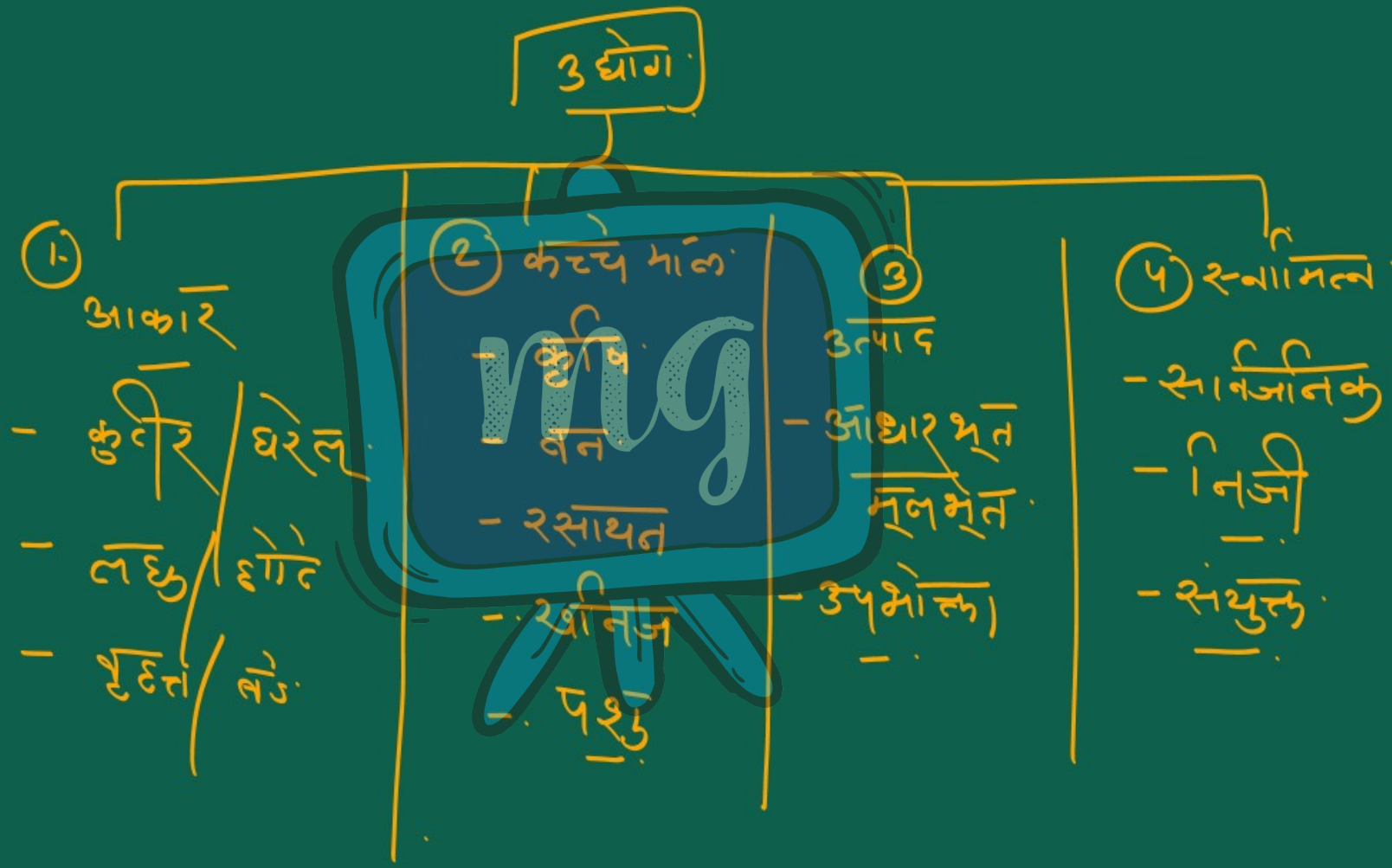


क. सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योग सरकार के अधीन होते हैं। भारत में बहुत से उद्योग सार्वजनिक क्षेत्र के अधीन है। समाजवादी देशों में भी अनेक उद्योग सरकारी स्वामित्व वाले होते हैं।

→ मिश्रित अर्थव्यवस्था में निजी एवं सार्वजनिक दोनों प्रकार के उद्यम पाए जाते हैं।

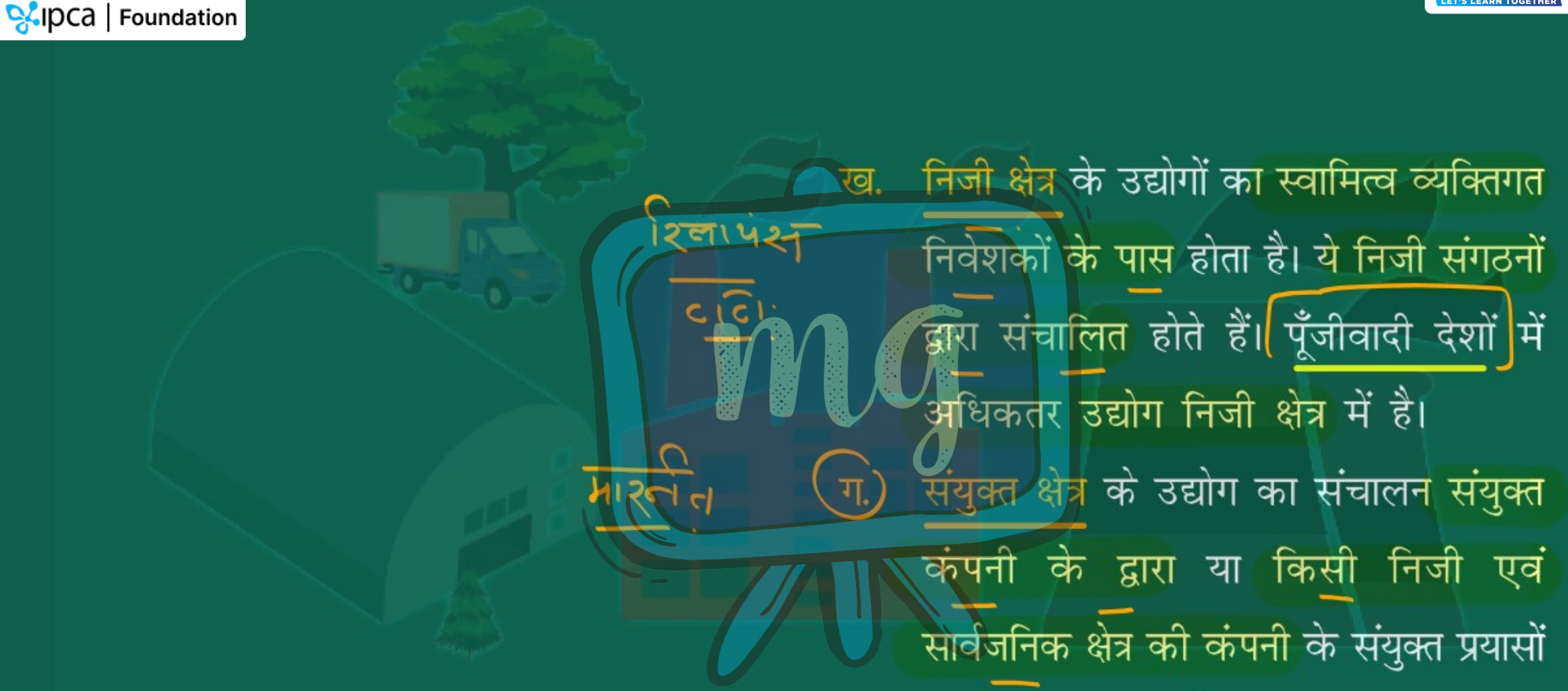
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



ख. निजी क्षेत्र के उद्योगों का स्वामित्व व्यक्तिगत निवेशकों के पास होता है। ये निजी संगठनों द्वारा संचालित होते हैं। पूँजीवादी देशों में अधिकतर उद्योग निजी क्षेत्र में है।

ग. संयुक्त क्षेत्र के उद्योग का संचालन संयुक्त कंपनी के द्वारा या किसी निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी के संयुक्त प्रयासों द्वारा किया जाता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

लाल-कॉलर →

उच्च प्रौद्योगिकी उद्योग की संकल्पना

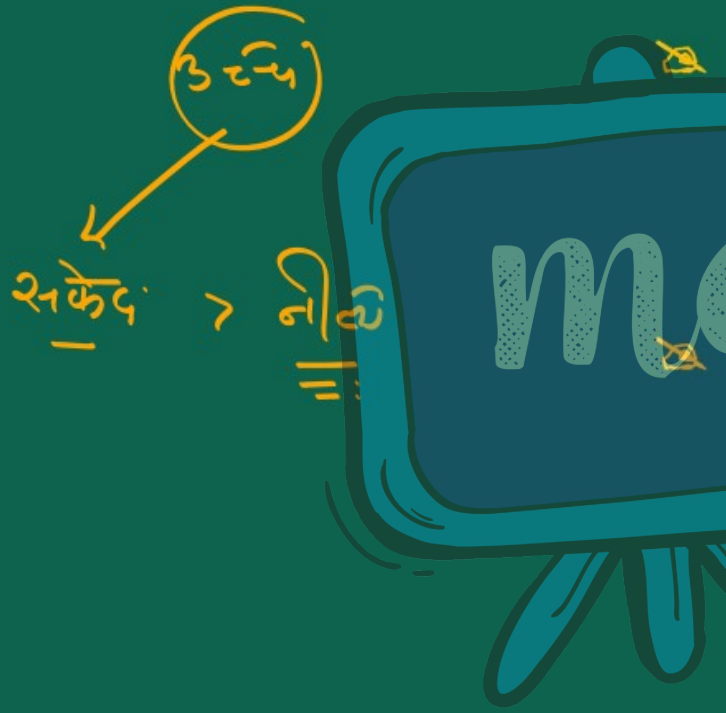
- निर्माण क्रियाओं में उच्च प्रौद्योगिकी नवीनतम पीढ़ी है। इसमें उन्नत वैज्ञानिक एवं इंजीनियरिंग उत्पादकों का निर्माण गहन शोध एवं विकास के प्रयोग द्वारा किया जाता है।



- संपूर्ण श्रमिक शक्ति का अधिकतर भाग व्यावसायिक (सफेद कॉलर) श्रमिकों का होता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



ये उच्च, दक्ष एवं विशिष्ट व्यावसायिक श्रमिक वास्तविक उत्पादन (नीला कॉलर) श्रमिकों से संख्या में अधिक होते हैं। उच्च प्रौद्योगिकी उद्योग में यंत्रमानव, कंप्यूटर आधारित डिज़ाइन (कैड) तथा निर्माण, धातु पिघलाने एवं शोधन के इलेक्ट्रोनिक नियंत्रण एवं नए रासायनिक व औषधीय उत्पाद प्रमुख स्थान रखते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



इस भूदृश्य में विशाल भवनों, कारखानों एवं भंडार क्षेत्रों के स्थान पर आधुनिक, नीचे साफ़-सुथरे, बिखरे कार्यालय एवं प्रयोगशालाएँ देखने को मिलती हैं।

वे उच्च प्रौद्योगिकी उद्योग जो प्रादेशिक संकेंद्रित हैं, आत्मनिर्भर एवं उच्च विशिष्टता लिए होते हैं उन्हें प्रौद्योगिक ध्रुव कहा जाता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

उदाहरण – सेन फ्रांसिस्को के समीप सिलीकन घाटी एवं सियटल के समीप सिलीकन वन।



सिलीकन घाटी



सिलीकन वन

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

